**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा उत्पादन विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 3364**

**26 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए**

**छोटे हथियारों के विनिर्माण हेतु अनुमोदन**

**3364. डॉ. वी. मैत्रेयन :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

1. क्या सरकार को छोटे हथियारों गैर निषिद्ध-बोर (एनबीपी) पिस्तौल के विनिर्माण हेतु मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) के साथ एमओयू प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान करने में विलंब के संबंध में संसद सदस्यों से कोई पत्र प्राप्त हुआ हैं;
2. यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;
3. क्या 2 अगस्त, 2017 को ओईएम के कारखाने में सरकार द्वारा कंपनी के सत्यापन किए जाने के संबंध में कोई जांच की गई थी; और
4. यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और जांच की क्या स्थिति है ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क): जी, हां । माननीय संसद सदस्य से एक पत्र प्राप्त हुआ था जिसमें कहा गया था कि ग्रांड पॉवर स्लोवाकिया और डीसीडी ग्रांड पॉवर इंडिया (प्रा.) लि., भारत ने अत्याधुनिक लघु अस्त्रों के सह-उत्पादन के लिए राइफल निर्माणी, ईशापुर को अभिरूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) प्रस्तुत की थी और वह अनुमोदनार्थ लंबित थी ।

(ख): एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए आयुध निर्माणी बोर्ड द्वारा एक प्रस्ताव मार्च, 2017 में रक्षा उत्पादन विभाग को भेजा गया था । उक्त समझौता ज्ञापन को जुलाई, 2017 में ओएफबी को वापस कर दिया गया क्योंकि उसमें अपनाई गई प्रक्रिया में कमियां पाई गई थी । पूर्व में सितंबर, 2016 में ओएफबी को प्रौद्योगिक भागीदारों के चयन के लिए एक मानक प्रचालन प्रक्रिया

(एसओपी) बनाने के लिए कहा गया था । प्रौद्योगिकीय भागीदारों के चयन के लिए ओएफबी द्वारा अगस्त, 2017 में प्रस्तुत किए गए एसओपी के मसौदे की रक्षा उत्पादन विभाग में जांच की गई और ओएफबी को मंत्रालय के सुझावों को शामिल करने का निदेश दिया गया था । मंत्रालय के सुझावों को शामिल करते हुए ओएफबी द्वारा संशोधित एसओपी फरवरी, 2018 में प्रस्तुत किया गया जिसे जांच के पश्चात मंत्रालय ने मार्च, 2018 में अनुमोदित कर दिया ।

(ग) और (घ): पूछने पर यह सूचित किया गया है कि प्राग, स्लोवाकिया स्थित भारतीय दूतावास के रक्षा अताशे ने विदेश मंत्रालय के जरिए प्राप्त गृह मंत्रालय के अनुरोध के आधार पर फर्म की विश्वसनीयता/पुष्टि के लिए 02 अगस्त, 2017 को मैसर्स ग्रांड पावर, स्लोवाकिया का दौरा किया था और इस संबंध में डीए द्वारा विदेश मंत्रालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी ।

\*\*\*\*\*\*